सक्षम इकाई की वार्षिक रिपोर्ट

Annual Report of Enabling Unit

शैक्षणिक वर्ष 2025–2026

(Academic Year 2025–2026)

परिचय

इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय की सक्षम इकाई ने शैक्षणिक वर्ष 2025–2026 के दौरान दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए एक समावेशी, सुलभ और समानतापूर्ण शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए। दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप, इकाई द्वारा समावेशन, समान अवसर और दिव्यांग विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम, संवेदनशीलता पहल, विद्यार्थी सहभागिता गतिविधियाँ, प्रतियोगिताएँ तथा सहायता तंत्र आयोजित किए गए।

The Enabling Unit, Institute of Home Economics, University of Delhi, remained committed to fostering an inclusive, accessible, and equitable academic environment for students with disabilities during the academic year 2025–2026. In alignment with the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016, the Unit organized a series of awareness programmes, sensitization initiatives, student engagement activities, competitions, and support mechanisms to promote inclusion, equal opportunity, and holistic development of students with disabilities.

1. दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

दिनांक: 16 सितंबर 2025

सक्षम इकाई द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य उन्हें संस्थान में उपलब्ध सहायता प्रणालियों एवं सुविधाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम में दिव्यांग विद्यार्थियों के अधिकारों, संस्थागत प्रावधानों तथा शैक्षणिक सुविधाओं एवं समायोजन का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता प्रदान की गई।

सत्र के दौरान निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया:

- परीक्षा संबंधी सहायता, जिसमें स्क्राइब की व्यवस्था तथा अतिरिक्त समय प्राप्त करने की प्रक्रिया शामिल थी।
- सुलभ पुस्तकालय सुविधाएँ एवं अध्ययन संसाधन।
- शैक्षणिक सहभागिता को बेहतर बनाने के लिए सहायक तकनीकों का प्रभावी उपयोग।
- शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत सहायता के लिए संस्थागत तंत्र।

परस्पर संवाद के दौरान विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक कठिनाइयों से संबंधित चिंताओं को साझा करने का अवसर मिला। विशेष रूप से विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले विद्यार्थियों में समय प्रबंधन तथा बहु-दिव्यांगता वाले विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा संबंधी तनाव जैसी समस्याओं पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के अंत में निम्नलिखित सुझाव दिए गए:

- नियमित दिव्यांगता जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में सहायक तकनीकों के एकीकरण को मजबूत किया जाए।
- परिसर की सुलभता में सुधार किया जाए।
- दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए व्यवस्थित शैक्षणिक निगरानी एवं मार्गदर्शन/मेंटोरिंग तंत्र स्थापित किया जाए।

यह कार्यक्रम नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थागत सहायता सेवाओं से परिचित कराने तथा उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं के संबंध में खुले संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ।

1. Orientation Programme for Students with Disabilities

Date: 16 September 2025

Enabling Unit organized an Orientation Programme for students with disabilities to familiarize them with the support systems and facilities available within the institution. The programme focused on creating awareness regarding the rights of students with disabilities, institutional provisions, and procedures for availing academic accommodations.

The session included detailed guidance on:

- Examination support, including the process for requesting scribes and compensatory time.
- Accessible library facilities and learning resources.
- Effective use of assistive technologies to enhance academic participation.
- Institutional mechanisms for academic and personal support.

The interactive discussion enabled students to share their concerns regarding academic challenges, particularly difficulties in time management among students with specific learning disabilities and examination-related stress experienced by students with multiple disabilities.

The programme concluded with recommendations to:

- Conduct regular disability awareness and sensitization programmes.
- Strengthen the integration of assistive technologies in teaching-learning processes.
- Improve campus accessibility.
- Establish systematic academic monitoring and mentoring mechanisms for students with disabilities.

The programme served as an important platform for familiarizing newly admitted students with institutional support services while encouraging open dialogue regarding their educational needs.

2. उड़ान 2025

दिनांक: 12 नवंबर 2025

सक्षम इकाई एवं SOPAAN के संयुक्त तत्वावधान में उड़ान 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसमें लगातार तीन कार्यक्रम शामिल थे, जिनका उद्देश्य सभी विद्यार्थियों के लिए समावेशन, रचनात्मकता, जागरूकता और समान अवसरों को बढ़ावा देना था। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इन कार्यक्रमों ने समावेशी परिसर संस्कृति के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(क) संगोष्ठी: Nourishing Inclusion – Creating Job Opportunities for People with Disabilities

समय: दोपहर 1:00 बजे – 1:30 बजे

स्थान: कक्ष 313

कार्यक्रम की शुरुआत "Nourishing Inclusion: Creating Job Opportunities for People with Disabilities" विषय पर एक ज्ञानवर्धक संगोष्ठी से हुई।

संसाधन व्यक्तियों सुश्री प्रेरणा मल्होत्रा और सुश्री सोनिया सिंह, Senior Health Coaches, Dietofy ने चिकित्सीय आहार-विज्ञान के क्षेत्र में इंटर्नशिप एवं रोजगार के अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसमें दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उपलब्ध अवसरों पर विशेष जोर दिया गया।

वक्ताओं ने निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की:

- Therapeutic Dietetics में करियर की संभावनाएँ।
- इंटर्नशिप पाठ्यक्रम, जिसमें पोषक तत्वों की गणना एवं शरीर संरचना विश्लेषण शामिल था।
- ऑनलाइन एवं ऑफलाइन इंटर्नशिप के विकल्प।
- करियर में उन्नति के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशल।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. तहीम कौसर द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा वक्ताओं के जानकारीपूर्ण एवं प्रेरणादायक सत्र के लिए आभार व्यक्त किया गया।

(ख) टैलेंट इग्निशन

समय: दोपहर 1:30 बजे – 2:45 बजे

स्थान: फोयर

संगोष्ठी के बाद SOPAAN द्वारा Talent Ignition नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक क्षमताओं एवं रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

विद्यार्थियों ने विभिन्न श्रेणियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया:

- गायन
- नृत्य
- कविता पाठ

इस कार्यक्रम में 14 विद्यार्थियों ने भाग लिया और पूरे उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम ने आत्म-अभिव्यक्ति, रचनात्मकता तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के बीच संवाद को प्रोत्साहित किया।

पुरस्कार प्राप्तकर्ता:

- विजेता: अनन्या
- विजेता: अलीशा

• विशेष उल्लेख: अनुषा

विजेताओं एवं प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के सम्मान में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

(ग) वाद-विवाद प्रतियोगिता

समय: दोपहर 2:45 बजे – 3:30 बजे
स्थान: कक्ष 313

उड़ान 2025 का अंतिम कार्यक्रम वाद-विवाद प्रतियोगिता था, जिसका विषय था: "क्या समानता (Equality), समता (Equity) के बिना संभव है?"

प्रतियोगिता का उद्देश्य आलोचनात्मक चिंतन तथा समावेशन, समता और सामाजिक न्याय से संबंधित सार्थक चर्चा को प्रोत्साहित करना था। विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों से पाँच प्रतिभागियों ने समकालीन उदाहरणों पर आधारित शोधपरक तर्क प्रस्तुत किए।

निर्णायक मंडल:
• डॉ. तहरीम कौसर
• डॉ. स्नेहा यादव

विजेता:
• मेहक
• श्रेया
• सिमरनजीत

प्रतियोगिता ने विश्लेषणात्मक सोच, प्रभावी संचार तथा समावेशी सामाजिक प्रथाओं के प्रति जागरूकता को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।

2. Udaan 2025

Date: 12 November 2025

Enabling Unit along with SOPAAN successfully organized **Udaan 2025**, comprising three consecutive events aimed at promoting inclusion, creativity, awareness, and equal opportunities for all students. The events witnessed enthusiastic participation from students across various departments and contributed significantly towards building an inclusive campus culture.

(a) Seminar: ***Nourishing Inclusion – Creating Job Opportunities for People with Disabilities***

Time: 1:00 PM – 1:30 PM
Venue: Room 313

The programme commenced with an insightful seminar titled **"Nourishing Inclusion: Creating Job Opportunities for People with Disabilities."**

The resource persons, **Ms. Prerna Malhotra** and **Ms. Sonia Singh**, Senior Health Coaches from Dietofy, shared valuable information regarding internship and employment opportunities in the field of therapeutic dietetics, with special emphasis on opportunities available for persons with disabilities.

The speakers discussed:

- Career prospects in therapeutic dietetics.
- Internship curriculum involving nutrient calculations and body composition analysis.
- Online and offline modes of internship.
- Professional skills required for career advancement.

The seminar concluded with a formal vote of thanks delivered by **Dr. Tahreem Kausar**, expressing gratitude to the speakers for their informative and motivating session.

(b) Talent Ignition

Time: 1:30 PM – 2:45 PM
Venue: Foyer

Following the seminar, SOPAAN organized **Talent Ignition**, a cultural event providing students with an opportunity to showcase their artistic abilities and creative talents.

Students participated enthusiastically in various categories including:

- Singing
- Dancing
- Poetry Recitation

The event witnessed participation from **14 students**, who performed with great enthusiasm and confidence. The programme encouraged self-expression, creativity, and interaction among students from different courses.

Awardees:

- **Winner:** Ananya
- **Winner:** Alisha
- **Special Mention:** Anusha

Certificates were presented to the winners and participants in recognition of their performances.

(c) Debate Competition

Time: 2:45 PM – 3:30 PM
Venue: Room 313

The final event of Udaan 2025 was a Debate Competition on the theme: **"Is Equality Possible Without Equity?"**

The competition aimed to encourage critical thinking and meaningful discussions on inclusion, equity, and social justice. Five participants from different academic programmes presented well-researched arguments supported by contemporary examples.

The competition was judged by:

- **Dr. Tahreem Kausar**
- **Dr. Sneha Yadav**

Winners:

- **Mehak**
- **Shreya**
- **Simranjeet**

The competition successfully promoted analytical thinking, effective communication, and awareness regarding inclusive social practices.

3. आयोजित रचनात्मक प्रतियोगिताएँ (2026)

रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने तथा जागरूकता एवं समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सक्षम इकाई एवं SOPAAN द्वारा वर्ष 2026 में संस्थान-स्तरीय दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

(क) कर्सिव कविता प्रतियोगिता 2026

विषय: Soaring High is My Nature

विद्यार्थियों को ऐसी मौलिक हस्तलिखित कविताएँ प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया, जिनमें आशा, दृढ़ता, संकल्प, महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास की भावना प्रतिबिंबित हो। विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा विजेता प्रविष्टियों को SOPAAN के आधिकारिक Instagram पेज पर प्रदर्शित किया गया और नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

विजेता:
- प्रथम स्थान: मान्या जैन — Institute of Home Economics
- द्वितीय स्थान: सृष्टि नायक — Institute of Home Economics
- तृतीय स्थान: टैलेंटजीत थौनाओजाम — Swami Shraddhanand College

इस प्रतियोगिता ने साहित्यिक रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ आत्मविश्वास, आकांक्षाओं और व्यक्तिगत विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को मजबूत किया। इशिका मंडल के उत्कृष्ट प्रयास के लिए विशेष प्रशंसा की गई।

(ख) पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता

विषय: Vitiligo: Beauty in Every Shade

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन विटिलिगो के संबंध में जागरूकता फैलाने तथा कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से स्वीकृति, विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया।

प्रतिभागियों ने प्रभावशाली पोस्टर तैयार किए, जिनमें त्वचा संबंधी स्थितियों से जुड़े रूढ़िबद्ध विचारों को चुनौती दी गई तथा विविधता के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए और विजेता पोस्टरों को SOPAAN के आधिकारिक Instagram पेज पर प्रदर्शित किया गया।

विजेता:
- प्रथम स्थान: सिमरनजीत — Institute of Home Economics
- द्वितीय स्थान: पायल गुप्ता — Institute of Home Economics
- तृतीय स्थान: दीपांशी — Institute of Home Economics

इस प्रतियोगिता ने दृश्य कला के माध्यम से सहानुभूति, सामाजिक जागरूकता और विविधता के प्रति सम्मान को प्रभावी रूप से बढ़ावा दिया।

3. Creative Competitions Organized (2026)

To encourage creativity while promoting awareness and inclusion, Enabling Unit along with SOPAAN organized two institute-level competitions during 2026.

(a) Cursive Poem Competition 2026

Theme: *Soaring High is My Nature*

Students were invited to submit original handwritten poems reflecting hope, resilience, determination, ambition, and self-belief. The competition received enthusiastic participation from students belonging to different institutions. All participants received e-certificates, while the winning entries were featured on SOPAAN's official Instagram page and also got cash prize.

Winners:

- **First Position:** Manya Jain (Institute of Home Economics)
- **Second Position:** Srishti Nayak (Institute of Home Economics)
- **Third Position:** Talentjeet Thounaojam (Swami Shraddhanand College)

The competition successfully encouraged literary creativity while reinforcing positive perspectives on confidence, aspirations, and personal growth. Special appreciation to Ishika Mandal for her exceptional effort.

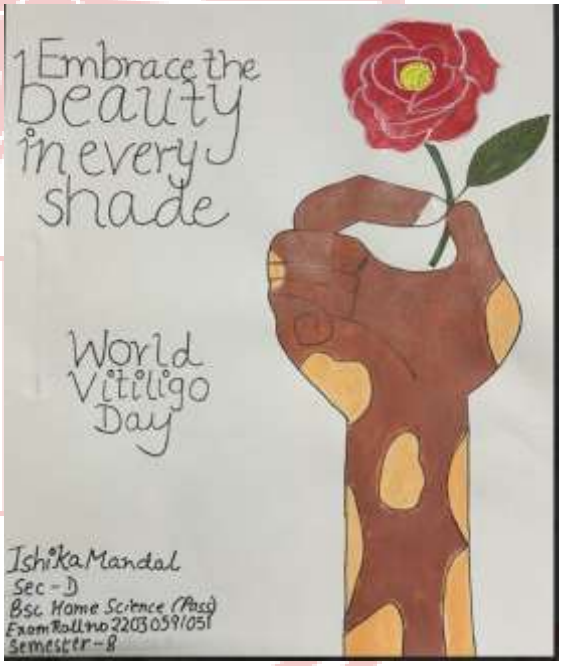

(b) Poster Making Competition

Theme: *Vitiligo: Beauty in Every Shade*

The Poster Making Competition was organized with the objective of spreading awareness regarding vitiligo and promoting acceptance, diversity, and inclusion through artistic expression. Participants created impactful posters challenging stereotypes associated with skin conditions and advocating respect for diversity. E-certificates were awarded to all participants, while the winning posters were displayed on SOPAAN's official Instagram page.

Winners:

- **First Position:** Simranjeet (Institute of Home Economics)
- **Second Position:** Payal Gupta (Institute of Home Economics)
- **Third Position:** Deepanshi (Institute of Home Economics)

The competition effectively promoted empathy, social awareness, and appreciation for diversity through visual art.

4. दिव्यांगता संवेदनशीलता कार्यक्रम

दिनांक: 13 मार्च 2026

स्थान: कॉन्फ्रेंस रूम

समय: दोपहर 12:00 बजे – 1:30 बजे

सक्षम इकाई द्वारा गैर-शिक्षण कर्मचारियों एवं छात्र संघ के सदस्यों के लिए दिव्यांगता संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य संस्थान में समावेशी प्रथाओं को और अधिक सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य थे:

- विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं के संबंध में जागरूकता बढ़ाना।
- समावेशी व्यवहार एवं सम्मानजनक संवाद को बढ़ावा देना।
- प्रतिभागियों को दिव्यांग व्यक्तियों की सुलभता, समानता एवं गरिमा के प्रति संवेदनशील बनाना।
- दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अंतर्गत संस्थागत प्रतिबद्धताओं को मजबूत करना।

सत्र श्री फैसल अशरफ नोमानी द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने सुलभ एवं दिव्यांग-अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डाला। संवादात्मक चर्चाओं और वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने सहानुभूति, युक्तिसंगत समायोजन, प्रभावी संचार तथा संस्थागत उत्तरदायित्व के महत्व पर जोर दिया, ताकि दिव्यांग व्यक्तियों की समान भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा सकारात्मक रूप से स्वीकार किया गया तथा इसने संस्थान में दिव्यांगता-समावेशी प्रथाओं को मजबूत करने में योगदान दिया।

4. Disability Sensitization Programme

Date: 13 March 2026
Venue: Conference Room

Time: 12-1:30 P.M.

Enabling Unit organized a **Disability Sensitization Programme** for the **Non-Teaching Staff** and **members of the Student Union** to strengthen inclusive practices across the institution.

The programme aimed to:

- Enhance awareness regarding different types of disabilities.
- Promote inclusive behaviour and respectful interactions.
- Sensitize participants towards accessibility, equality, and dignity of persons with disabilities.
- Reinforce institutional commitments under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016.

The session was delivered by **Mr. Faisal Ashraf Nomani**, who highlighted practical approaches to creating accessible and disability-friendly educational environments. Through interactive discussions and real-life examples, the resource person emphasized the importance of empathy, reasonable accommodation, effective communication, and institutional responsibility in ensuring equal participation of persons with disabilities.

The programme was well received and contributed towards strengthening disability-inclusive practices within the Institute.

5. नियमित विद्यार्थी सहायता एवं संकाय सहभागिता

पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान सक्षम इकाई दिव्यांग विद्यार्थियों को निरंतर शैक्षणिक एवं मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने में सक्रिय रूप से संलग्न रही। इसके अंतर्गत समय-समय पर बैठकें, व्यक्तिगत परामर्श तथा नियमित फॉलो-अप संवाद आयोजित किए गए। इन बैठकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को समझने, उनकी समस्याओं की पहचान करने तथा उचित सहायता तंत्र सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित विषयों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर ध्यान दिया गया:

- शैक्षणिक प्रदर्शन
- परीक्षा संबंधी समायोजन
- सुलभता संबंधी आवश्यकताएँ
- सहायक सेवाओं का उपयोग
- विद्यार्थियों का समग्र कल्याण

इसके साथ ही, संकाय सदस्यों ने कॉलेज प्रशासन, शिक्षण विभागों तथा अन्य संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय किया, ताकि युक्तिसंगत समायोजन उपलब्ध कराया जा सके और विद्यार्थियों को आवश्यकता पड़ने पर समय पर संस्थागत सहायता प्राप्त हो।

विद्यार्थियों के साथ नियमित संवाद से संकाय को उनकी प्रगति पर निगरानी रखने, उभरती हुई शैक्षणिक अथवा सुलभता संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक स्तर पर पहचान करने तथा उचित मार्गदर्शन एवं हस्तक्षेप प्रदान करने में सहायता मिली। इन निरंतर प्रयासों के माध्यम से सक्षम इकाई ने अपनी मेंटोरिंग एवं सहायता प्रणाली को मजबूत किया और संस्थान में अधिक उत्तरदायी, सुलभ एवं समावेशी शिक्षण वातावरण के निर्माण में योगदान दिया।

5. Regular Student Support and Faculty Engagement

Throughout the academic year, Enabling Unit, remained actively engaged in providing continuous academic and psychosocial support to students with disabilities through periodic meetings, individual consultations, and regular follow-up interactions. These meetings served as an important platform for understanding students' academic progress, identifying challenges, and ensuring that appropriate support mechanisms were in place.

The faculty addressed a range of concerns related to academic performance, examination accommodations, accessibility requirements, utilization of assistive services, and overall well-being. They also coordinated with the College administration, teaching departments, and other stakeholders to facilitate reasonable accommodations and ensure that students received timely institutional support whenever required.

Regular interaction with students enabled the faculty to monitor their progress, identify emerging academic or accessibility-related concerns at an early stage, and provide appropriate guidance and interventions. Through these sustained efforts, the Enabling Unit strengthened its mentoring and support system, contributing to a more responsive, accessible, and inclusive learning environment within the Institute.